चतुर किसान

एक बार एक किसान के पास एक बकरी, घास का एक गट्ठर और एक शेर था। उसे एक छोटी नाव पर एक नदी पार करनी थी। जो एक बार में उनमें से केवल दो को ही ले जा सकता था। किसान मुश्किल में था कि अगर वह पहले शेर को ले जाए तो उसकी अनुपस्थिति में बकरी घास खा जाएगी। यदि वह घास ले ले तो शेर बकरी को खा जाएगा।

अंत में, उसने सही समाधान ढूंढ लिया। उसने पहले बकरी को ले गया और नदी के दूसरी तरफ छोड़ दिया। फिर उसने शेर को अपने दूसरे चक्कर में ले गया। वह शेर को छोड़कर बकरी को वापस ले आया। बकरी को इस ओर छोड़कर, वह घास की गट्ठर के साथ ले गया। वह शेर के पास घास छोड़ कर बकरी को लेने के लिए अंत में लौट आया। इस प्रकार वह बिना किसी नुकसान के नदी पार कर गया।

नैतिक शिक्षा : छोटी सी सूझबूझ भी आगे बहुत काम आती है।

Madhuri Jaiswal

प्यासा कबूतर

गर्मी का मौसम था । एक कबूतर था जो हमेशा खुश रहता था। गर्मी के दिनों में सभी झीलें और तालाब भीषण गर्मी के कारण सूख गए थे। कबूतर बहुत प्यासा था और पानी के लिए बेताब था लेकिन कहीं भी पानी नहीं मिल रहा था। उसने एक दीवार पर पानी के गिलास का चित्र देखा। चित्र देखकर वह दीवार के पास आया। कबूतर ने सोचा कि ये चित्र असली है और अपनी पूरी ताकत के साथ उस पर टूट पड़ा। वह दीवार से टकरा गया और उसके पंख टूट गए।और वह भूमि पर गिर पड़ा और वहीं असहाय पड़ा रहा। कुछ देर बाद वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने घायल कबूतर को पकड़ लिया।

शिक्षा -: अति उत्साह आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है

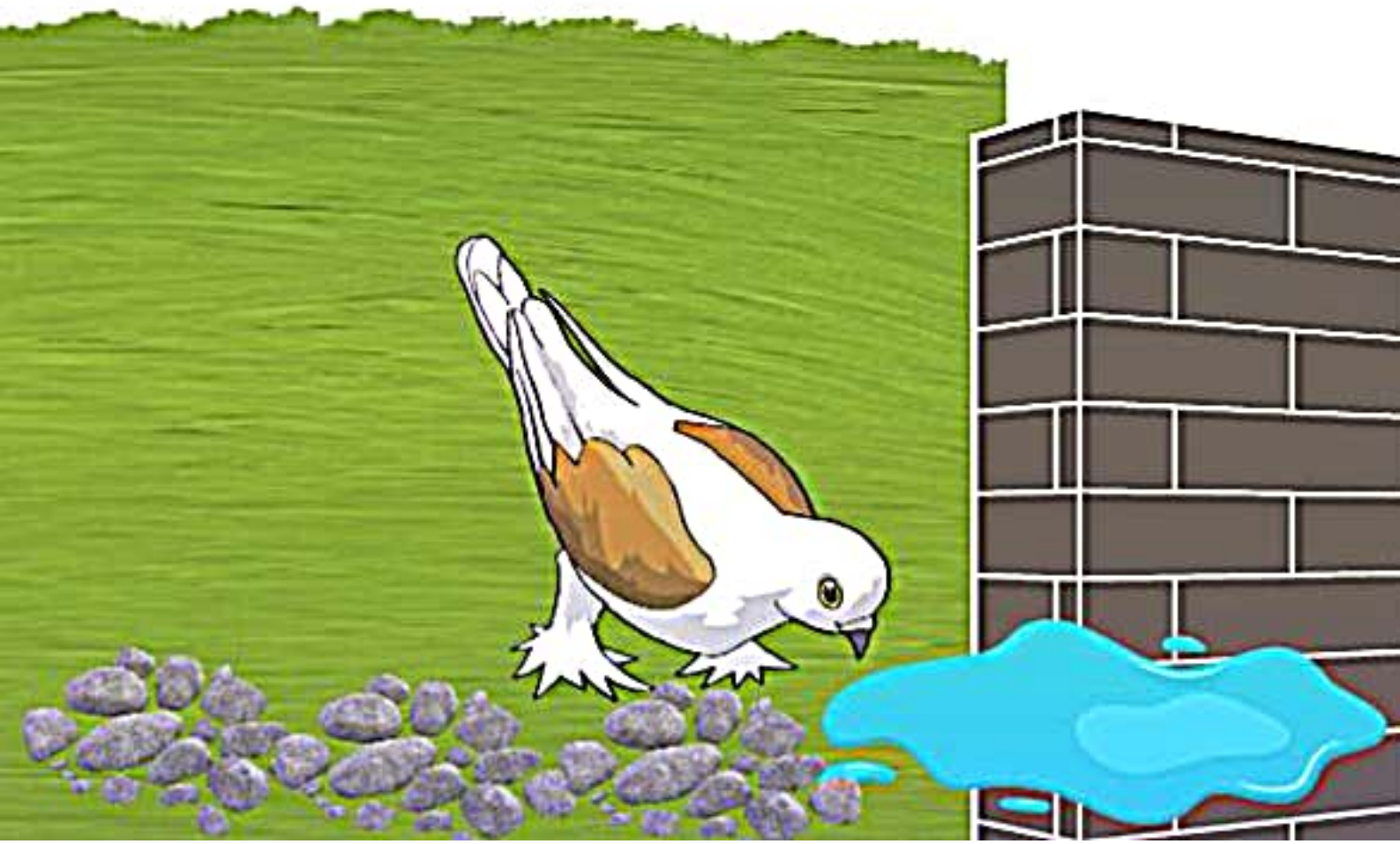

लड़का और बिछुआ

एक बार की बात है, एक जवान लड़का था। वह एक खुशमिजाज और मस्ती करने वाला बच्चा था। वह एक आज्ञाकारी बच्चा था जिसकी माँ उसे प्यार करती थी।

एक दिन जब लड़का मैदान में खेल रहा था। अचानक उसे बिछुआ ने काट लिया। घायल होकर घर भागा। अपनी माँ से मिलने पर उन्होंने कहा कि उन्हें एक छोटे से घास ने काट लिया है।

उसकी माँ ने कहा, "मेरा सुझाव है कि अगली बार जब आप बिछुआ को अपने हाथ में पकड़ें तो उसे मजबूती से पकड़ें। यदि आप इसे जोर से पकड़ेंगे तो यह आपको कभी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।"

आप जो भी करें, साहसपूर्वक करें।

शिक्षा -: आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

दो मुर्गे और एक बाज़

एक बार की बात है , दो मुर्गे एक पहाड़ी को लेकर लड़ रहे थे। वे दोनों अपनी पूरी ताकत से लड़ रहे थे, क्योंकि जो भी जीतेगा वह पहाड़ी का राजा बनेगा।

अंत में एक मुर्गा जीत गया और दूसरा मुर्गा लड़ाई में गंभीर रूप से घायल हो गया और हार गया। जीतने वाले मुर्गा ने अपनी जीत की घोषणा करने के लिए एक ऊँची उड़ान भरी और तेज आवाज में चिल्ला कर सबको अपनी जीत के बारे में बताया।

इतने में एक बाज़ उड़ता हुआ आया और इस घमण्डी मुर्गे को देखा। उसने झपट्टा मारा और मुर्गे को पकड़ कर दूर ले गया। दूसरा मुर्गा जो हार गया था वह नीचे से सब कुछ देख रहा था,वह जल्दी से बाहर आया और खुद को पहाड़ी का राजा घोषित कर दिया।

शिक्षा -: जरुरत से ज्यादा घमंड सेहत के लिए खतरनाक होता है ।